शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
अभ्यास प्रश्नपत्र
कक्षा-XI (2026-27)
भूगोल (कोड: 029)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 70**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में 30 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. यह प्रश्नपत्र पाँच खंडों—A, B, C, D तथा E—में विभाजित है।
3. खंड A में प्रश्न संख्या 1 से 17 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
4. खंड B में प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है।
5. खंड C में प्रश्न संख्या 20 से 23 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है। इन प्रश्नों के उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखे जाने चाहिए।
6. खंड D में प्रश्न संख्या 24 से 28 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। इन प्रश्नों के उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखे जाने चाहिए।
7. खंड E में प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र-आधारित प्रश्न हैं, जो क्रमशः भौगोलिक विशेषताओं की पहचान तथा उनके स्थान-निर्धारण एवं नामांकन से संबंधित हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।
8. आपको दिए गए भारत तथा विश्व के रूपरेखा मानचित्रों को अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करें।
9. रूपरेखा मानचित्र बनाने के लिए टेम्पलेट अथवा स्टेंसिल के प्रयोग की अनुमति है।

खंड-A		
Q.1	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भौतिक भूगोल की प्रकृति को सर्वोत्तम रूप से स्पष्ट करता है? (क) यह केवल जनसंख्या के वितरण का अध्ययन करता है। (ख) यह प्राकृतिक पर्यावरण के स्थानिक प्रतिरूपों एवं प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। (ग) यह केवल राजनीतिक सीमाओं के अध्ययन तक सीमित है। (घ) यह केवल आर्थिक क्रियाकलापों का अध्ययन करता है।	1
Q.2	भारत की मुख्य भूमि का देशांतरीय विस्तार लगभग है:	1

	(क) 68°7′ पू. से 97°25′ पू. (ख) 8°4′ उ. से 37°6′ उ. (ग) 23°30′ उ. से 82°30′ पू. (घ) 68°7′ उ. से 97°25′ उ.	
Q.3	नीचे दो कथन अभिकथन (A) तथा कारण (R) के रूप में दिए गए हैं। नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए। अभिकथन (A): भूकंपों और ज्वालामुखियों का वितरण प्लेट सीमाओं के संबंध में महत्वपूर्ण प्रमाण प्रदान करता है। कारण (R): बड़ी संख्या में भूकंप और ज्वालामुखी उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ स्थलमंडलीय प्लेटें परस्पर क्रिया करती हैं। (क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सत्य है, परंतु R असत्य है। (घ) A असत्य है, परंतु R सत्य है।	1
Q.4	पृथ्वी के विकास से संबंधित निम्नलिखित घटनाओं को सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए: I. पृथ्वी का निर्माण II. पृथ्वी का विभेदन III. वायुमंडल एवं जलमंडल का विकास IV. जीवन की उत्पत्ति (क) I–II–III–IV (ख) II–I–IV–III (ग) I–III–II–IV (घ) III–I–II–IV	1
Q.5	अभिकथन (A): पर्याप्त पूर्व-पश्चिम विस्तार के बावजूद भारत में एक ही मानक समय अपनाया जाता है। कारण (R): 82°30′ पू. देशांतर को भारत का मानक मध्याह्न चुना गया है। (क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सत्य है, परंतु R असत्य है। (घ) A असत्य है, परंतु R सत्य है।	1

Q.6	निम्नलिखित में से कौन-सी मुख्यतः अंतर्जात प्रक्रिया है? (क) अपक्षय (ख) अपरदन (ग) ज्वालामुखिता (घ) निक्षेपण	1
Q.7	निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है? (क) विसर्प — प्रवाहित जल (ख) गोखुर झील — प्रवाहित जल (ग) छत्रक शिला — पवन (घ) मोरेन — पवन	1
Q.8	निम्नलिखित में से कौन-सा भू-आकृतिक विभाग पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट से घिरा है? (क) उत्तरी मैदान (ख) दक्कन का पठार (ग) ट्रांस-हिमालय (घ) महान भारतीय मरुस्थल	1
Q.9	वायुमंडलीय जलवाष्प के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं? I. इसकी मात्रा स्थान और समय के अनुसार बदलती है। II. सामान्यतः भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर इसकी मात्रा घटती जाती है। III. यह पार्थिव विकिरण के कुछ भाग को अवशोषित करने में भूमिका निभाती है। IV. सभी ऊँचाइयों पर इसका अनुपात बिल्कुल समान रहता है। (क) केवल I और II (ख) केवल I, II और III (ग) केवल II और IV (घ) केवल I, III और IV	1
Q.10	प्रायद्वीपीय नदियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं? I. इनमें से अनेक हिमालयी नदियों की तुलना में अधिक प्राचीन हैं। II. इनकी घाटियाँ सामान्यतः चौड़ी और अपेक्षाकृत उथली हैं। III. इनमें से अधिकांश के प्रवाह मार्ग निश्चित हैं। IV. सभी प्रायद्वीपीय नदियाँ पश्चिम की ओर बहती हैं। (क) केवल I और II	1

	(ख) केवल I, II और III (ग) केवल II और IV (घ) I, II, III और IV	
Q.11	नदियों का उनके उपयुक्त विवरण से सुमेलन कीजिए: सूची-I सूची-II A.सिंधु 1. मानसरोवर झील के निकटवर्ती क्षेत्र से उद्गम B. गंगा 2. देवप्रयाग में निर्मित C. ब्रह्मपुत्र 3. तिब्बत में सांगपो के नाम से जानी जाती है D. नर्मदा 4. भ्रंश घाटी से होकर बहती है (क) A-1, B-2, C-3, D-4 (ख) A-2, B-3, C-4, D-1 (ग) A-3, B-4, C-1, D-2 (घ) A-4, B-1, C-2, D-3	1
Q.12	महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत के समर्थन में वेगनर ने निम्नलिखित में से किन प्रमाणों का उपयोग किया? सही संयोजन चुनिए। I. तटरेखाओं में साम्य II. महासागरों के आर-पार समान शैल संरचनाएँ III. अलग-अलग महाद्वीपों पर समान जीवाश्मों का वितरण IV. आधुनिक GPS मापन (क) केवल I और II (ख) केवल I, II और III (ग) केवल II, III और IV (घ) I, II, III और IV	1
Q.13	उस समूह की पहचान कीजिए जिसमें केवल पूर्ववाहिनी प्रायद्वीपीय नदियाँ हैं: (क) नर्मदा, ताप्ती, माही (ख) गोदावरी, कृष्णा, कावेरी	1

	(ग) नर्मदा, गोदावरी, ताप्ती (घ) ताप्ती, कृष्णा, नर्मदा	
Q.14	हिमालय के निर्माण से सबसे प्रत्यक्ष रूप से कौन-सी भूगर्भिक घटना संबंधित है? (क) भारतीय और यूरेशियन प्लेटों का अपसरण (ख) भारतीय और यूरेशियन प्लेटों का टकराव (ग) केवल अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका का अलग होना (घ) केवल दक्कन लावा पठार का निर्माण	1
	निम्नलिखित स्रोत को पढ़िए और प्रश्न संख्या 15, 16 तथा 17 के उत्तर दीजिए। ये संचलन गुरुत्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव में शैल-मलबे के द्रव्यमान को ढाल के नीचे स्थानांतरित करते हैं। इसका अर्थ है कि वायु, जल अथवा हिम मलबे को एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन नहीं करते; इसके विपरीत मलबा अपने साथ वायु, जल अथवा हिम को ले जा सकता है। बृहद संचलन धीमी से तीव्र गति तक हो सकते हैं तथा पदार्थ की उथली से गहरी परतों को प्रभावित करते हैं। इनमें सर्पण (Creep), प्रवाह (Flow), स्खलन (Slide) और पतन (Fall) सम्मिलित हैं। गुरुत्वाकर्षण आधारशैल तथा अपक्षय के उत्पादों सहित सभी पदार्थों पर बल लगाता है। अतः अपक्षय बृहद संचलन की पूर्वापेक्षा नहीं है, यद्यपि यह बृहद संचलन में सहायक होता है। बिना अपक्षयित पदार्थों की तुलना में अपक्षयित ढालों पर बृहद संचलन अधिक सक्रिय होते हैं। बृहद संचलन गुरुत्वाकर्षण से प्रेरित होते हैं और इनमें प्रवाहित जल, हिमनद, पवन, तरंगें तथा धाराएँ जैसे कोई भू-आकृतिक कारक भाग नहीं लेते। इसलिए पदार्थ का एक स्थान से दूसरे स्थान पर गुरुत्वाकर्षण की सहायता से स्थानांतरण होने के बावजूद बृहद संचलन को अपरदन के अंतर्गत नहीं रखा जाता। ढालों पर स्थित पदार्थों में विक्षोभकारी बलों के प्रति अपना प्रतिरोध होता है और वे तभी खिसकते हैं जब लगाया गया बल पदार्थ के अपरूपण प्रतिरोध (Shearing Resistance) से अधिक हो जाए। कमजोर असंगठित पदार्थ, पतली परतों वाली चट्टानें, भ्रंश, तीव्र झुकी हुई शैल-परतें, खड़ी चट्टानी दीवारें अथवा तीव्र ढाल, अधिक वर्षण, मूसलाधार वर्षा तथा वनस्पति की कमी आदि बृहद संचलन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं। बृहद संचलन से पहले कई सक्रियकारी कारण कार्य करते हैं: (i) प्राकृतिक अथवा कृत्रिम साधनों द्वारा ऊपर स्थित पदार्थों के नीचे से सहारा हटाना; (ii) ढाल की प्रवणता और ऊँचाई में वृद्धि; (iii) प्राकृतिक रूप से पदार्थ जुड़ने अथवा कृत्रिम भराव से अधिक भार पड़ना; (iv) भारी वर्षा के कारण अधिक भार, ढाल-पदार्थों का संतृप्त होना तथा स्नेहन; (v) मूल ढाल की सतह के ऊपर से पदार्थ अथवा भार हटाना; (vi) भूकंप, विस्फोट अथवा मशीनों का संचालन; (vii) अत्यधिक प्राकृतिक जल-रिसाव; (viii) झीलों, जलाशयों और नदियों के जलस्तर में अत्यधिक गिरावट, जिससे ढालों	

	अथवा नदी तटों के नीचे से जल का धीमा बहिर्वाह होता है; तथा (ix) प्राकृतिक वनस्पति का अंधाधुंध निष्कासन।	
Q.15	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बृहद संचलन में वायु, जल और हिम की भूमिका का सही वर्णन करता है? (क) ये मुख्य परिवहन कारक के रूप में कार्य करते हैं। (ख) ये मलबे के साथ स्थानांतरित हो सकते हैं, परंतु परिवहन कारक के रूप में कार्य नहीं करते। (ग) ये मलबे की गति को पूर्णतः रोक देते हैं। (घ) प्रत्येक प्रकार के बृहद संचलन के लिए इनका होना आवश्यक है।	1
Q.16	ढाल पर स्थित पदार्थ के स्थानांतरित होने की संभावना सर्वाधिक कब होती है? (क) जब उसका अपरूपण प्रतिरोध विक्षोभकारी बल से अधिक हो जाए। (ख) जब विक्षोभकारी बल उसके अपरूपण प्रतिरोध से अधिक हो जाए। (ग) जब ढाल पूर्णतः क्षैतिज हो जाए। (घ) जब गुरुत्वाकर्षण बल कार्य करना बंद कर दे।	1
Q17	निम्नलिखित में से कौन-सा बृहद संचलन को सक्रिय करने वाला कारण हो सकता है? (क) भूकंप और विस्फोट (ख) वनस्पति आवरण में वृद्धि (ग) ढाल की ऊँचाई में कमी (घ) स्थिर ढाल पर भार में कमी	1
	खंड-B	
Q.18	**प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं**	

	18.1 18.1 दिए गए चित्र का अवलोकन कीजिए तथा दर्शाए गए स्थलरूप की पहचान कीजिए। इसके निर्माण के लिए उत्तरदायी भू-आकृतिक कारक का नाम लिखिए। 18.2 18.2 चित्र में दर्शाए गए स्थलरूप के निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। 18.3 18.3 चित्र में दर्शाए गए स्थलरूप की कोई दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। **नोट: दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 18 के स्थान पर** 18.1 गॉर्ज (Gorge) क्या है? 18.2 स्पष्ट कीजिए कि प्रवाहित जल द्वारा ऊर्ध्वाधर अपरदन गहरी एवं संकरी घाटियों के विकास में किस प्रकार सहायक होता है। 18.3 भौतिक विशेषताओं के आधार पर गॉर्ज (Gorge) और कैनियन (Canyon) में अंतर स्पष्ट कीजिए।	1+1+1= 3
Q.19	उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी पर्वतों में हिमालय और उत्तर-पूर्वी पहाड़ियाँ सम्मिलित हैं। हिमालय अनेक समानांतर पर्वत श्रेणियों से मिलकर बना है। इसकी महत्वपूर्ण श्रेणियों में वृहत हिमालयी श्रेणी तथा शिवालिक सम्मिलित हैं। भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में इन श्रेणियों की सामान्य दिशा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर है। दार्जिलिंग और सिक्किम क्षेत्रों में हिमालय पूर्व-पश्चिम दिशा में विस्तृत है, जबकि अरुणाचल प्रदेश में इसकी दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पश्चिम की ओर है। नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में पर्वत श्रेणियाँ उत्तर-दक्षिण दिशा में विस्तृत हैं। वृहत हिमालयी श्रेणी, जिसे केंद्रीय अक्षीय श्रेणी भी कहा जाता है, की पूर्व से पश्चिम तक अनुमानित लंबाई 2,500 किमी है तथा उत्तर से दक्षिण तक इसकी चौड़ाई 160 से 400 किमी के बीच है। मानचित्र से यह भी	1+1+1= 3

	स्पष्ट होता है कि हिमालय भारतीय उपमहाद्वीप तथा मध्य और पूर्वी एशियाई देशों के बीच एक सुदृढ़ एवं लंबी दीवार के समान स्थित है। 19.1 19.1 हिमालय का निर्माण करने वाली पर्वत श्रेणियों के सामान्य प्रतिरूप का वर्णन कीजिए। 19.2 19.2 वृहत हिमालयी श्रेणी को केंद्रीय अक्षीय श्रेणी भी क्यों कहा जाता है? 19.3 19.3 वृहत हिमालयी श्रेणी की पूर्व-पश्चिम दिशा में अनुमानित लंबाई बताइए।	
	खंड-C	
Q.20	एक भूवैज्ञानिक को भारत के एक क्षेत्र में नवीन वलित एवं अत्यधिक अस्थिर चट्टानें तथा दूसरे क्षेत्र में प्राचीन क्रिस्टलीय चट्टानें मिलती हैं। इन अवलोकनों से संबंधित दो प्रमुख भू-आकृतिक विभागों की पहचान कीजिए तथा अपने उत्तर का औचित्य स्पष्ट कीजिए। **अथवा** पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट अपनी निरंतरता, ऊँचाई तथा उच्चावच की दृष्टि से एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं। इन अंतरों तथा उनके भौगोलिक महत्व की व्याख्या कीजिए।	3
Q.21	“पृथ्वी के प्रारंभिक विकास के दौरान भारी पदार्थ उसके केंद्र की ओर चले गए, जबकि हल्के पदार्थ सतह की ओर आ गए।” संबंधित प्रक्रिया की पहचान कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि इसने पृथ्वी की वर्तमान परतदार संरचना के विकास में किस प्रकार योगदान दिया।	3
Q.22	किन्हीं तीन आधारों पर हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदी तंत्रों में अंतर स्पष्ट कीजिए।	3
Q.23	अपक्षय को स्व-स्थाने (In-situ) प्रक्रिया क्यों माना जाता है? अपक्षय के प्रमुख प्रकारों की व्याख्या कीजिए। **अथवा** एक तीव्र ढाल कमजोर एवं असंगठित पदार्थों से निर्मित है और वहाँ कई दिनों तक अत्यधिक भारी वर्षा होती है। विश्लेषण कीजिए कि ऐसी स्थिति में यह ढाल बृहद संचलन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील क्यों हो जाएगी।	3
	खंड-D	
Q.24	तापमान तथा अन्य विशेषताओं के आधार पर वायुमंडल को ऊर्ध्वाधर रूप से विभिन्न परतों में विभाजित किया जाता है। वायुमंडल की संरचना की व्याख्या कीजिए। **अथवा** वायुमंडल के संघटन का वर्णन कीजिए तथा इसके प्रमुख घटकों के भौगोलिक महत्व की व्याख्या कीजिए।	5
Q.25	सागर-नितल प्रसरण (Sea-floor Spreading) की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। महासागरीय नितल तथा मध्य-महासागरीय कटकों के अध्ययन ने महाद्वीपों और स्थलमंडलीय प्लेटों की गति संबंधी वैज्ञानिक	5

	समझ को किस प्रकार सुदृढ़ किया?	
Q.26	भारत दक्षिण एशिया तथा हिंद महासागर के शीर्ष पर एक महत्वपूर्ण स्थिति रखता है। भारत के अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार का वर्णन कीजिए तथा इसकी भौगोलिक स्थिति के महत्व की व्याख्या कीजिए। **अथवा** एशिया, अफ्रीका तथा अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के संदर्भ में भारत की स्थिति के सामरिक एवं भौगोलिक महत्व की व्याख्या कीजिए।	5
Q.27	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की स्थिति, उत्पत्ति तथा प्रमुख भौतिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।	5
Q.28	गोदावरी नदी के उद्गम, प्रवाह मार्ग तथा अपवाह संबंधी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** कावेरी नदी के उद्गम, प्रवाह मार्ग तथा प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।	5
	खंड-E	
Q.29	**दिए गए विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर सात भौगोलिक विशेषताओं को A, B, C, D, E, F तथा G से चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित सूचनाओं की सहायता से इनमें से किन्हीं पाँच की पहचान कीजिए तथा प्रत्येक विशेषता के निकट खींची गई रेखा पर उसका सही नाम लिखिए।** A. एक महाद्वीप B. एक प्रमुख प्लेट C. एक कटक D. एक महासागर E. एक ज्वालामुखीय क्षेत्र F. एक गौण प्लेट G. एक प्रमुख प्लेट	5

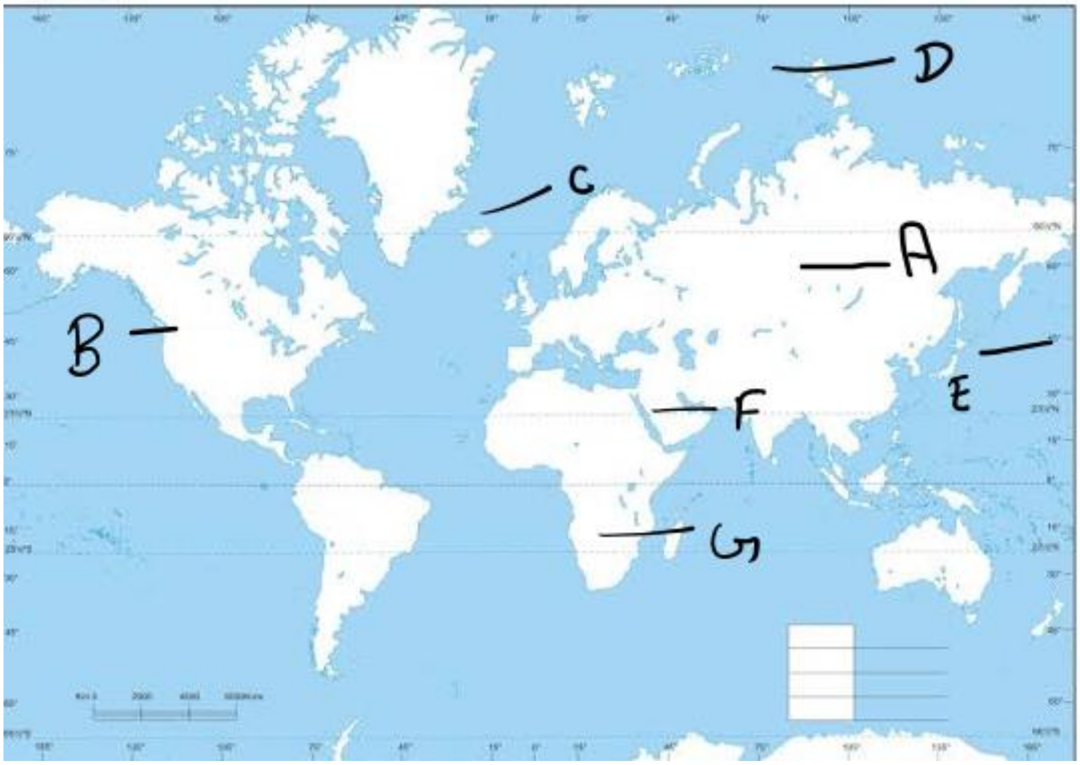

नोट: दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर

.

A. विश्व के किसी एक महाद्वीप का नाम लिखिए।

B. विश्व की किसी एक प्रमुख प्लेट का नाम लिखिए।

C. विश्व के किसी एक कटक का नाम लिखिए।

D. विश्व के किसी एक महासागर का नाम लिखिए।

E. विश्व के किसी एक ज्वालामुखीय क्षेत्र का नाम लिखिए।

F. एशिया की किसी एक गौण प्लेट का नाम लिखिए।

G. विश्व की किसी एक प्रमुख प्लेट का नाम लिखिए।

Q.30 **भारत के दिए गए राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं में से किन्हीं पाँच को उपयुक्त प्रतीकों द्वारा दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए:** 5

30.1 भारत का देशांतरीय विस्तार

30.2 काराकोरम

30.3 चिल्का झील

30.4 पूर्वी घाट

30.5 चंबल नदी

30.6 नंगा पर्वत

30.7 थाल दर्रा

	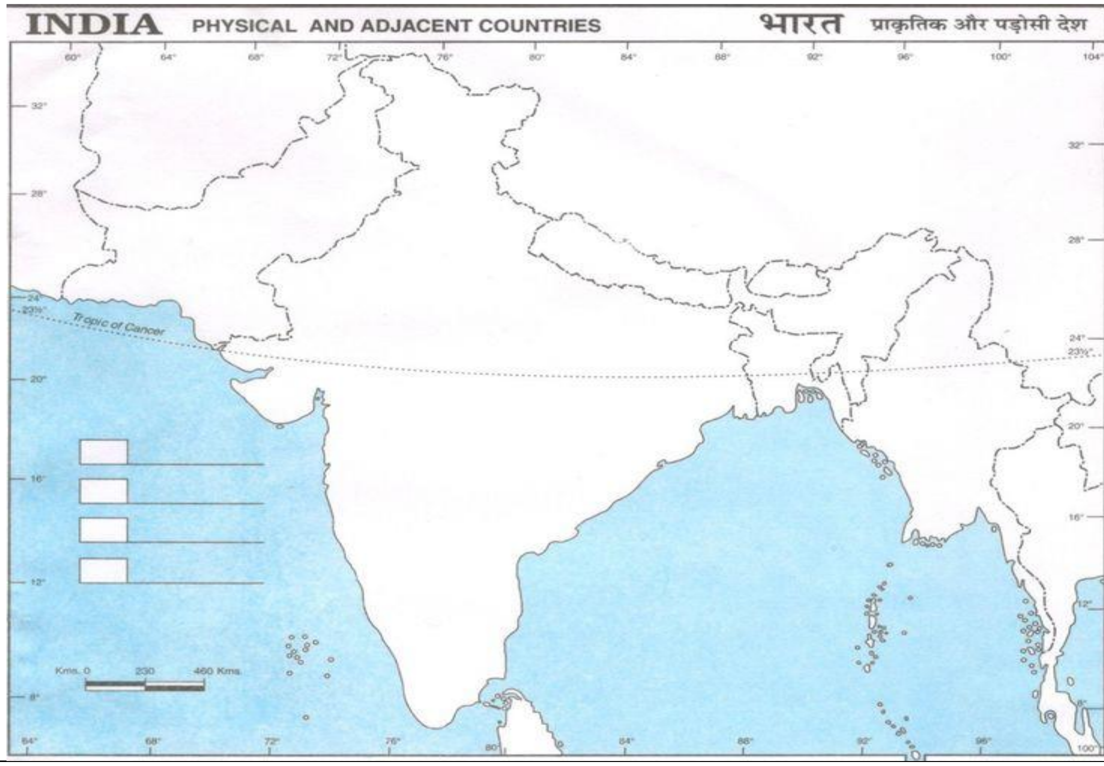	

नोट: दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर।

30.1 भारत का अक्षांशीय विस्तार लिखिए।

30.2 भारत की किसी एक पर्वत श्रेणी का नाम लिखिए।

30.3 भारत की किसी एक झील का नाम लिखिए।

30.4 भारत के किसी एक पठार का नाम लिखिए।

30.5 भारत की किसी एक नदी का नाम लिखिए।

30.6 भारत की किसी एक पर्वत चोटी का नाम लिखिए।

30.7 भारत के किसी एक दर्रे का नाम लिखिए।